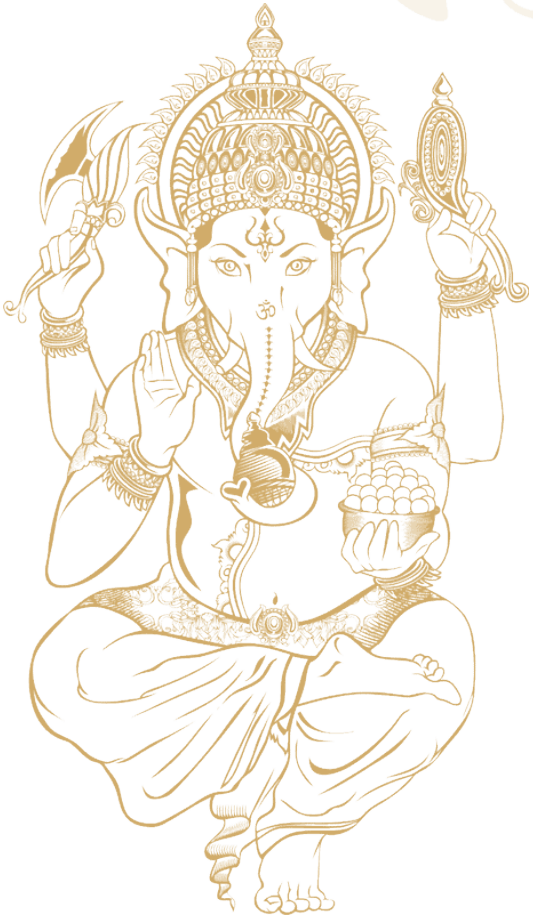

Pbc

01 Apr 2026

09:40 AM

Barmer

Model: web-freekundliweb

Order No: 121861902

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**01/04/2026**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**09:40:00 घंटे**
इष्ट	07:39:38 घटी
स्थान	**Barmer**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	25:43:00 उत्तर
रेखांश	71:25:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:44:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:55:40 घंटे
वेलान्तर	-00:03:54 घंटे
साम्पातिक काल	21:33:49 घंटे
सूर्योदय	06:36:08 घंटे
सूर्यास्त	19:00:46 घंटे
दिनमान	12:24:38 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	17:13:19 मीन
लग्न के अंश	11:57:13 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	वृद्धि
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पा-पल्लवी
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	11:57:13	375:34:43	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	---
सूर्य			मीन	17:13:19	00:59:12	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	06:28:50	12:46:48	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	मित्र राशि
मंगल		अ	कुंभ	29:01:42	00:46:56	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	सम राशि
बुध			कुंभ	19:37:11	00:51:16	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	सम राशि
गुरु			मिथु	21:34:00	00:03:56	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	07:37:48	01:13:52	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	सम राशि
शनि		अ	मीन	11:20:38	00:07:28	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:31:59	00:02:48	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:31:59	00:02:48	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	04:32:35	00:02:37	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:59:06	00:02:15	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो			मक	10:59:37	00:00:58	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			मक	26:50:44	--	धनिष्ठा	--	23	शनि	मंगल	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:32

लग्न-चलित

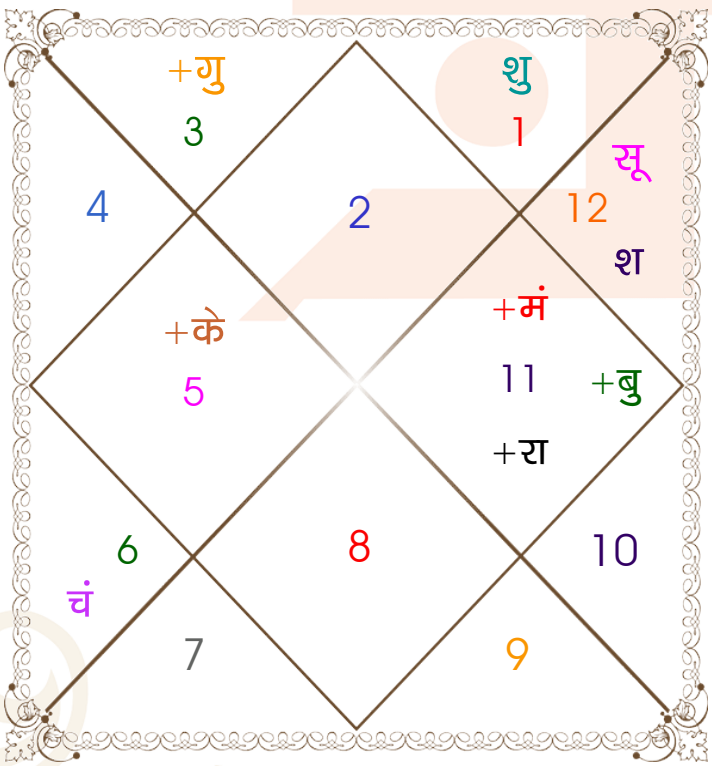

चन्द्र कुंडली

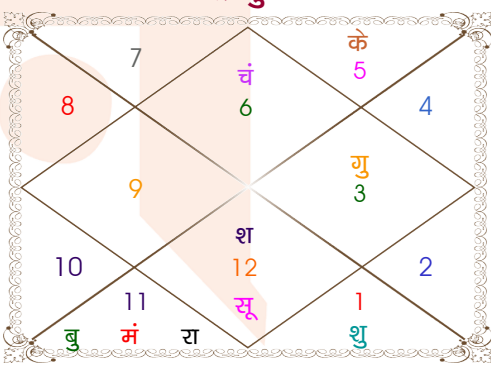

नवमांश कुंडली

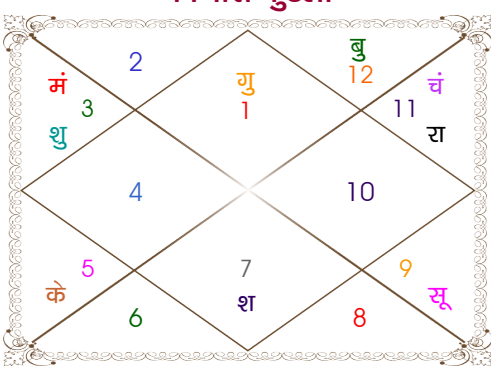

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 1 वर्ष 7 मास 0 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
01/04/2026		31/10/2027		31/10/2037		31/10/2044		31/10/2062	
31/10/2027		31/10/2037		31/10/2044		31/10/2062		31/10/2078	
	00/00/0000	चंद्र	31/08/2028	मंगल	29/03/2038	राहु	14/07/2047	गुरु	18/12/2064
	00/00/0000	मंगल	01/04/2029	राहु	17/04/2039	गुरु	06/12/2049	शनि	02/07/2067
	00/00/0000	राहु	01/10/2030	गुरु	22/03/2040	शनि	12/10/2052	बुध	07/10/2069
	00/00/0000	गुरु	31/01/2032	शनि	01/05/2041	बुध	02/05/2055	केतु	12/09/2070
	00/00/0000	शनि	31/08/2033	बुध	28/04/2042	केतु	19/05/2056	शुक्र	13/05/2073
	01/04/2026	बुध	30/01/2035	केतु	25/09/2042	शुक्र	20/05/2059	सूर्य	02/03/2074
बुध	25/06/2026	केतु	31/08/2035	शुक्र	25/11/2043	सूर्य	13/04/2060	चंद्र	02/07/2075
केतु	31/10/2026	शुक्र	01/05/2037	सूर्य	01/04/2044	चंद्र	13/10/2061	मंगल	07/06/2076
शुक्र	31/10/2027	सूर्य	31/10/2037	चंद्र	31/10/2044	मंगल	31/10/2062	राहु	31/10/2078

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
31/10/2078		31/10/2097		01/11/2114		01/11/2121		01/11/2141	
31/10/2097		01/11/2114		01/11/2121		01/11/2141		00/00/0000	
शनि	03/11/2081	बुध	30/03/2100	केतु	30/03/2115	शुक्र	02/03/2125	सूर्य	18/02/2142
बुध	13/07/2084	केतु	27/03/2101	शुक्र	29/05/2116	सूर्य	03/03/2126	चंद्र	20/08/2142
केतु	22/08/2085	शुक्र	26/01/2104	सूर्य	04/10/2116	चंद्र	01/11/2127	मंगल	26/12/2142
शुक्र	21/10/2088	सूर्य	01/12/2104	चंद्र	05/05/2117	मंगल	31/12/2128	राहु	20/11/2143
सूर्य	03/10/2089	चंद्र	02/05/2106	मंगल	01/10/2117	राहु	01/01/2132	गुरु	07/09/2144
चंद्र	05/05/2091	मंगल	30/04/2107	राहु	20/10/2118	गुरु	01/09/2134	शनि	20/08/2145
मंगल	13/06/2092	राहु	16/11/2109	गुरु	26/09/2119	शनि	01/11/2137	बुध	02/04/2146
राहु	20/04/2095	गुरु	22/02/2112	शनि	04/11/2120	बुध	01/09/2140		00/00/0000
गुरु	31/10/2097	शनि	01/11/2114	बुध	01/11/2121	केतु	01/11/2141		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 1 वर्ष 7 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के प्रथम चरण में होना आपके उज्जवल भविष्य का द्य ोतक है। जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर वृष लग्न के साथ-साथ मेष राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का द्रेष्काण उदित था। परिणामस्वरूप आपका भविष्य पूर्णता युक्त एवं अन्य ग्रहों के सुप्रभाव से राजयोग का निर्माता है। अस्तु आपका जीवन स्तर बहुत उत्तम रहेगा। आपके जन्म का स्वरूप पूर्णतः आपके अनुकूल प्रतीत होता है। आप अपने जीवन का नेतृत्व कर, सुखद एवं सरलता पूर्वक धन संपत्ति से युक्त तथा आनंददायक पारिवारिक जीवन व्यतीत करेंगी। आपकी राशि का प्रतीक बैल है। जो आपमें ईश्वरीय प्रदत्त सदगुणों की समृद्धता प्रकट करता है। आप मृदुभाषी एवं सत् चित्त युक्त है, तथा आप बिना किसी के सहयोग से नहीं मात्र अपने प्रयास से उन्नति प्राप्त करेंगी। क्योंकि यह गुण आप में विद्यमान है। अन्य की तुलना में आप भक्ति भावना से युक्त हैं, तथा आप में गंभीर विषयों के संपादन का निर्देशन शक्ति परिलक्षित होता है।

बुनियादी तौर पर आप किसी के भी साथ व्यक्तिगत रूप से शांतिपूर्ण प्रेमसंबंध स्थापित करती हैं। आप दूसरों के वाद-विवाद से बच कर अथवा प्रेम संबंध में मध्यस्थता नही चाहती हैं। परंतु यदि कोई किसी भी अवसर पर आपको उत्तेजित करता है, प्रतिक्रिया स्वरूप आप उस पर हिंसात्मक प्रहार करती हैं। आपको पूर्ण रूपेण इस प्रवृत्ति को त्याग कर, अपने आवेग को नियंत्रित रखना चाहिए।

आपकी विस्तृत मित्र या मित्र मंडली के द्वारा उत्कृष्ट धन या भूमि का लाभांश की प्राप्ति सहयोगात्मक भावना से युक्त होकर अंतर आत्मा से सहायता आवश्यक है।

आप पूंजी निवेश, कठिन परिश्रम तथा सुनियोजित कार्यक्रम द्वारा अधिक धन संग्रह करेंगी। परंतु आप इस प्रकार के समतल आय से संतुष्ट नही होंगी। क्योंकि वास्तव में आपका संबंध क्षेत्र विस्तृत है। इसलिए आप उच्चशिखर तक धन संपत्ति संग्रह करना चाहती हैं।

इस प्रकार स्पष्ट होता है कि आपमें पूर्ण रूपेण धन लो लुप्तता विद्यमान है। प्रायः आपकी कृपणता पर ही आपका अस्तित्व निर्भर करता हैं क्योंकि आपकी मुट्ठी बंधी हुई अर्थात् हृदय अनुदार है।

शारीरिक रूप से आप मध्यम कद की साथ ही चौड़े कंधे एवं उन्नत मांसल स्वस्थ्य एवं प्रसन्नचित्त मुखाकृति की प्राणी होंगी। आपका ललाट उन्नत, गर्दन झुकी हुई एवं आंखें चमकीली होगी। आपका पारिवारिक वातावरण अन्यों द्वारा इर्ष्यायुक्त रहेगा। आपके पति की स्नेहमय प्रवृत्ति से आपका घरेलू जीवन प्रसन्नता पूर्ण एवं सगे संबंधियों के साथ प्रगाढ़ मैत्रीपूर्ण तथा सुव्यवस्थित संबंध रहेगा। आप अपने (घर) भवन की सजावट अच्छे-अच्छे साज शय्याओं से युक्त तथा शरीर के लिए आरामदायक वस्तुओं से सुसज्जित रखेंगी। वर्त्तमान काल रंग-बिरंगे चित्रों को पंक्तिबद्ध तरीके से बहुत मात्रा में सुव्यवस्थित ढंग से अपने घर में लगाती हैं।

इसके अतिरिक्त आप पूर्णरूपेण स्वस्थ शरीर धारण कर, जीवन का उत्तम आनंद प्राप्त करेंगी। आयु वृद्धि के साथ-साथ आप गले रोग, कफ एवं शीतप्रकोप, पैर की सूजन आदि रोगों की संभावना के प्रति सतर्क रहें।

आपके लिए व्यवसायिक कार्य हेतु जलीय वस्तुओं का व्यवसाय जैसे मोती, मछलीपालन, सिंघाड़े की खेती आइस क्रीम व्यवसाय, प्रॉप्रार्टी डीलरशिप, भवन संबंधी कार्य एवं ऑटोमोबाइल्स तथा पेट्रोल संबंधित कार्य अनुकूल रहेगा।

आपके लिए भाग्यशाली एवं प्रभावशाली अंक 2 एवं 8 अंक है। अंक 7 एवं 9 अंक भी आपके लिए आकर्षक अंक है। परंतु अंक 5 आपके लिए अनुकूल नही रहेगा। अस्तु इस तारीख से सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए रंग (श्वेत) सफेद गुलीबी, एव हरा रंग अनुकूल है। परंतु लाल रंग आपके लिए सर्वथा त्यागनीय है।